

भये दशरथ जू घर ललना
मैं सरजू में सुन आया ॥२॥

मैं सरजू में सुन आया
और दौड़ खुशी में आया ॥२॥

भये दशरथ जू घर ललना
मैं सरजू में सुन आया ॥२॥

तांसे ढोल, नगाड़े बाजे ॥२॥

कई नाँच बजाये झुँझनां

मैं सरजू में सुन आया ----

खुले खजाने दान के लाने ॥२॥

दये हीरा मोती कंगनां

मैं सरजू में सुन आया ----

रौने के बने चार पालने ॥२॥

जे में चारई झूलें ललना

मैं सरजू में सुन आया ----

चारई रतन लगे बड़े प्यारे ॥२॥

कौशल्या डुलाये बिजना

मैं सरजू में सुन आया ----

दास "श्री बाबा श्री" बाल दृवि देखे ॥२॥

प्रभु हमें होइ न भगना

मैं सरजू में सुन आया ----